जेम्सटाउन, जहां पला-बढ़ा अमेरिकी लोकतंत्र, मना रहा है 400वीं वर्षगांठ

लॉरेन मॉनसन

औपनिवेशक बस्तियां बसाने वालों ने बनाई नई दुनिया में प्रतिनिधित्व आधारित सरकार

वर्जिनिया का जेम्सटाउन नई दुनिया में पहली स्थायी इंग्लिश बस्ती थी। यूं तो 1607 में बसी यह बस्ती लंदन के शेयरधारकों का एक वाणिज्यिक उद्यम थी लेकिन जल्दी ही यह इंग्लिश नई दुनिया के प्रतिनिधियों द्वारा चलाई जाने वाली प्रतिनिधि सरकार की पहली प्रयोगशाला बन गई। वर्ष 2007 में अपनी 400वीं वर्षगांठ मना रहे जेम्सटाउन को कई इतिहासकार अमेरिकी लोकतंत्र का पालना मानते हैं। इस मौके पर 18 महीने तक तमाम तरह के कार्यक्रम किए जाने हैं। लेकिन यूनिवर्सिटी ऑफ़ न्यू ऑर्लिएंस के इतिहास विभाग में विशिष्ट प्रोफेसर वारेन बिलिंग्स याद दिलाते हैं कि बस्ती के संस्थापकों का मूल इरादा ऐसा नहीं था।

उपनिवेश स्थापित करने वालों का इरादा ''ऐसा प्रतिनिधि सदन रचने का बिल्कुल नहीं था जो हम आज देखते हैं।'' वर्जिनिया और जेम्सटाउन के 17वीं सदी के शुरूआती दौर के इतिहास पर कई पुस्तकें लिख चुके बिलिंग्स बताते हैं कि वर्जिनिया में जनसंख्या और आर्थिक गतिविधि बढ़ी तो इंग्लैंड में बैठे निवेशकों के लिए बस्ती का प्रशासन चलाना कठिन होने लगा। अन्ततः उन्होंने 1619 में ''वर्जिनिया कम्पनी ऑफ़ लंदन के प्रबंधन उपकरण के तौर पर'' वर्जिनिया की जनरल असेम्बली का गठन किया। ''इस असेम्बली को पार्लियामेंट की तर्ज पर चलाने का कोई इरादा नहीं था। ऐसा बाद में हुआ।''

शुरू में असेम्बली एकसदनीय थी और वर्जिनिया के गवर्नर, उनकी परामर्शदात्री परिषद के सदस्य और बर्जस (निर्वचित प्रतिनिधि) उसके सदस्य होते थे। फिर 1624 में ब्रिटिश राजशाही ने वर्जिनिया की जनरल असेम्बली को दरकिनार करके वर्जिनिया को शाही उपनिवेश घोषित कर दिया। राजशाही ने प्रवासियों को करीब-करीब उनके हाल पर ही छोड़ दिया और अगले दशकभर असेम्बली एकसदनीय निकाय के रूप में काम करती रही।

1642 में वर्जिनिया के शाही गवर्नर के रूप में सर विलियम बर्कली की

फोटो: © एक्स पैक

साभार: नेशनल पार्क सर्विस, कॉलोनियल नेशनल हिस्टॉरिक पार्क

ऊपर: अंग्रेजी आप्रवासियों को 1607 में अमेरिका लाने वाले तीन जहाज़ों में से एक की प्रतिकृति गोडस्पीड जून 2006 में न्यू यॉर्क में स्टेच्यू ऑफ लिबर्टी के करीब से जाते हुए। इसी के साथ शुरू हुआ जेम्सटाउन की स्थापना का समारोह।

*बाएं: **कीथ रोको** के इस चित्र में जेम्सटाउन के एक दर्ज़ी का घर दिखाया गया है।*

ऊपर बाएं: जेम्सटाउन की वर्षगांठ के मौके पर अमेरिकी टकसाल द्वारा सम्मान में जारी एक सिक्का।

__सिडनी किंग__ द्वारा नेशनल पार्क सर्विस के लिए बनाए गए ये चित्र उस शृंखला का हिस्सा हैं जो 17वीं शताब्दी के शुरू में जेम्सटाउन बस्ती के बसने, मुश्किलों, सफलताओं और असफलताओं की कहानी बयां करते हैं। ये चित्र और __कीथ रोको__ के अन्य चित्र जेम्सटाउन, वर्जिनिया के औपनिवेशिक राष्ट्रीय ऐतिहासिक पार्क में प्रदर्शित हैं। यहां आप खुद घूमकर या फिर कार यात्रा के जरिये यह जान सकते हैं कि बस्ती में लोग कैसे रहते थे।

उपनिवेश स्थापित करने वाले 1607 में ऐसे द्वीप पर पहुंचे जो मुख्य भूमि से संकरे मार्ग से जुड़ा था। उन्होंने अपने नए घर का नाम इंग्लैंड के किंग जेम्स प्रथम के नाम पर रखा।

जेम्सटाउन की 1614 की एक झलक। किले और घर बनाने के अलावा यहां बसे लोगों ने मिट्टी के बर्तन, ईंट, रेशम बनाने और और मदिरा तथा तांबा उद्योग की भी शुरुआत की।

नए शहर में दूसरा स्टेट हाउस और बाहरी इमारतें। वर्जिनिया की राजधानी के रूप में जेम्सटाउन 92 सालों तक प्रमुख क्षेत्र के रूप में बना रहा।

नियुक्ति के बाद ही जनरल असेम्बली के संसदीय रूप में गठन की शुरुआत हुई। सर विलियम ने बर्जसों को प्रेरित किया कि वह अपने अधिवेशन उनकी परामर्शदात्री परिषद के बिना ही कर लिया करें। जल्द ही इस विभाजन को औपचारिक रूप दे दिया गया- बर्जस इंग्लिश संसद के हाउस ऑफ़ कॉमन्स की तर्ज़ पर काम करने लगे और गवर्नर की परामर्शदात्री परिषद हाउस ऑफ़ लॉर्ड्स की।

बर्जसों का चुनाव भले ही संसद सदस्यों के चुनाव की इंग्लिश परम्परा में था लेकिन कुछ औपनिवेशिक नवाचारों से एक अनूठे अमेरिकी लोकतांत्रिक ढांचे की नींव भी पड़ने लगी थी। बिलिंग्स बताते हैं, ''वर्जिनिया में प्रतिनिधित्व को विशिष्ट क्षेत्रों और मतदाताओं की संख्या से जोड़ा जाना'' अंग्रेजी मॉडल से अलग था। वर्जिनिया के बर्जस अपने घरेलू क्षेत्रों से चुने जाने लगे, ''इस तरह 17वीं सदी में वर्जिनिया में सीधे प्रतिनिधित्व की जड़ें जमने लगी थीं।''

इस प्रसंग में 1675-76 में घटित बेकन्स रेबेलियन (बेकन का विद्रोह) के नाम से विख्यात घटना भी महत्वपूर्ण रही। उपनिवेश के कुछ वासियों और डोएग इंडियन कबीले के आए दिन के विवादों का निपटारा करने के लिए नथैनियल बेकन जूनियर ने कुछ चुनिंदा साथियों को साथ लेकर स्थानीय इंडियन गांवों पर हमले शुरू किए। स्थिति को शांत रखने और इंडियनों के साथ नियंत्रित व्यापार बनाए रखने के आग्रही गवर्नर बर्कली ने बेकन को हमले रोकने का आदेश दिया लेकिन बेकन ने हमले जारी रखे। बर्कली ने अंततः विद्रोहियों को हरा दिया लेकिन इंग्लिश शासक के प्रतिनिधि के आदेशों की अवलेहना करते हुए बेकन का विद्रोह 100 साल बाद के क्रांतिकारी युद्ध का पूर्वसंकेत सिद्ध हुआ।

केवल वर्जिनिया की जनरल असेम्बली ने ही संसदीय रूप नहीं लिया, बाद में वर्जिनिया से हाथ मिलाकर संयुक्त राज्य अमेरिका के रूप में गठित होने वाले बाकी 12 उपनिवेशों की जनरल असेम्बलियां भी इसी राह पर चल रही थीं। बिलिंग्स कहते हैं, ''कहा जा सकता है कि वर्जिनिया की जनरल असेम्बली उपनिवेशों के लिए गवर्निंग बॉडी के रूप में काम करने वाली कांटिनेंटल कांग्रेस के सामने उपस्थित 13 मॉडल में से एक थी, हमारी आज की कांग्रेस के लिए भी यह आदर्श थी।''

जॉर्ज वाशिंगटन, जॉन एडम्स और टॉमस जैफर्सन जैसे अमेरिका के निर्माता अपने-अपने राज्यों की जनरल असेम्बलियों के सदस्य रहे थे और यह अनुभव एक नए राष्ट्र को गढ़ने में उनके लिए बहुत सहायक सिद्ध हुआ।

बिलिंग्स बताते हैं, ''लगभग सभी प्रचलनों की शुरूआत वर्जिनिया से होती दिखती है। अमेरिकी की परिभाषा पर बहस जेम्सटाउन से शुरू हुई और आव्रजन पर चल रही समकालीन बहस के रूप में आज तक चल ही रही है- भारी वादविवाद होता है, ओरछोर समझ में नहीं आता, कभी-कभी यह हिंसक तक हो उठती है लेकिन रुकती कभी नहीं।''

बहुत ही सामान्य मायनों में बीसवीं सदी के अंत और इक्कीसवीं सदी के प्रारम्भ में नए लोकतंत्रों के उद्भव की घटना का सिलसिला भी जेम्सटाउन से जुड़ता दिखता है जहां आधुनिक प्रतिनिधित्व आधारित शासन सिलसिला शुरू हुआ।

कॉलोनियल विलियम्सबर्ग फाउंडेशन से जुड़े इतिहासविद केविन केली कहते हैं कि जब 17वीं सदी के संविधान निर्माता जेम्सटाउन में मिले तब वह अपने कानूनों को औपनिवेशिक जीवन की विशेष स्थितियों के अनुकूल ढालने के क्रम की शुरूआत कर ही रहे थे। दुर्भाग्य से दासता उनमें से एक थी। नस्लीय मसलों से निपटने के जनरल असेम्बली के प्रयास रुके रहे क्योंकि बहुत से जमींदार जबरन गुलामी की प्रथा पर निर्भर थे।

18वीं सदी तक असेम्बली के निचले सदन का प्रभुत्व बढ़ने लगा था क्योंकि बर्गेसों की संख्या गवर्नर की परामर्शदात्री परिषद से कहीं अधिक थी। आज भी अमेरिकी कांग्रेस में निचले सदन यू.एस.हाउस ऑफ़ रिप्रेजेंटेटिव के सदस्यों की संख्या 435 है और ऊपर के सदन यू.एस.सेनेट के सदस्यों की सौ। बहरहाल दोनों सदनों की शक्तियां बराबर हैं।

केली भी स्वीकार करते हैं कि संसार के नए लोकतंत्र अप्रत्यक्ष रूप से जेम्सटाउन के ऋणी हैं क्योंकि ''हमारी (अमेरिकी) किस्म के स्वशासन को विकसित करने में इस बस्ती की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। लोकतंत्र के प्रसार का प्रमाण प्रतिनिधित्व करने वाली सरकारों की दिनोंदिन बढ़ती संख्या ही नहीं, अधिकांश देशों का लोकतांत्रिक दिखने का आग्रह भी है क्योंकि अलोकतांत्रिक शासनों के साथ एक तरह की बदनामी जुड़ी है। इससे सुधारों के लिए दबाव बनता है।''

अभी सालों तक इतिहासकार जेम्सटाउन बस्ती की विरासत की गुत्थियां सुलझाते रहेंगे लेकिन अमेरिकी इतिहास में इस कस्बे का स्थान शायद 1907 में छपी वर्जिनिया गाइडबुक ने नियत कर दिया जिसमें जेम्सटाउन को ''वर्जिनिया का जनक, और वर्जिनिया को इस महान जनतंत्र की माता'' बताया गया।

http://www.jamestown2007.org/

__लॉरेन मॉनसन__ यूएसइनफो की कार्यालय लेखिका हैं।
कृपया इस लेख के बारे में अपने विचारों से हमें अवगत कराएं। अपनी राय editorspan@state.gov पर भेजें।

दूर बैठे अंग्रेज सम्राट द्वारा गवर्नर की नियुक्ति के खिलाफ 1675-76 में बेकन विद्रोह हुआ जो सौ साल बाद क्रांतिकारी युद्ध के रूप में सामने आया।

कैप्टन जॉन स्मिथ पोहाटन इंडियनों के साथ व्यापार करते हुए। उपनिवेश बसाने वालों को कमाई करनी होती थी अन्यथा उनसे ब्रिटिश सिंहासन का समर्थन वापस ले लिया जाता। शुरुआत में ज़्यादातर ने सोने की खोज में अपना समय बिताया। लेकिन जब भुखमरी की नौबत आने लगी तो स्मिथ ने उनसे खेती करने के लिए आग्रह किया।

डॉ. लारेंस बोहुन जून 1610 में यहां पहुंचे और स्थानीय पौधों, जड़ी-बूटियों, खनिजों और रसों के जरिये पुरानी दुनिया और इस नई दुनिया के रोगों का इलाज खोजने लगे।

वेस्ट इंडीज से लाए गए तंबाकू के बीज वर्जिनिया की मिट्टी को रास आ गए। आज भी यहां यह राज्य के लिए प्रमुख नकदी फसल है।